भावना की उड़ान में दम तोड़ता पुरुषार्थ

➢➢ **H**ighly **S**ensitive **P**erson (अति संवेदनशील व्यक्तित्व)

➳ _ ➳ बात बात पर भावुक हो जाना.. नाराज़ / उदास / रूस जाना

→ किसी के गलत व्यवहार को सहन न कर पाना

- ज्ञान के प्रति वैराग / संशय भी आ सकता है
- बेमुख हो सकते हैं

→ फीलिंग देवी बनकर रहते हैं

- छुई मुई बनकर रहते हैं
- छोटे छोटी बातों पर संकल्प चलते हैं
- **<u>बहुत ज्यादा फीलिंग आना अर्थात आधी मृत्यु</u>**

→ बात बात पर रोते हैं

- **अव्यक्त बापदादा :- आंसुओं की टंकी को योग की धुप से सूखा दो**

→ सूक्षम घृणा का भाव

→ अपने साथ हुई गलत बातों को कभी भूलता नहीं है

- प्राप्त हुए दुःख को अपने पास बहुत अच्छे से संभाल कर रखता है
- बदला लेने का भाव भी जागृत हो सकता है

➳ _ ➳ गलत अनुमान लगाते रहना

→ शायद वो 2 लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं

➳ _ ➳ किसी भी शिक्षा / Correction को positively स्वीकार नहीं करते

➳ _ ➳ Sensitive Nature

→ बाहरी दुनिया में तो बहुत अच्छी मानी जाती है

→ पर इस ब्राह्मण जीवन में बहुत नुक्सान कारक सिद्ध होती हैं

- यह ब्राह्मण जीवन कांटो का जंगले है
- यह मार्ग धधकती हुई अग्नि पर चलने का मार्ग है
- **<u>यह ब्राह्मण परिवार बहुत बड़ा Examination Hall है... और एक एक ब्राह्मण आत्मा पेपर है ...</u>**

➳ _ ➳ Inferiority Complex आ जाता है

→ दूसरों के साथ तुरंत Compare करते हैं

➳ _ ➳ बहुत सी खूबियाँ भी होती हैं ऐसे व्यक्तित्व में

→ सहानुभूति

→ दूसरों के दुःख दर्द को बहुत अच्छे से समझ सकते हैं.

➢➢ Highly Sensitive Nature से कैसे मुक्त हों ?

➳ _ ➳ हर आत्मा के प्रति रहम, शुभ भावना, शुभ कामना, क्षमा भाव

➳ _ ➳ ज्ञान का मनन / विचार सागर मंथन

→ ज्ञान की पॉइंट्स बुधी में घूमती रहे

→ ज्ञान की गहराई में उतरिये

➳ _ ➳ कर्मों की गुह्य गति स्मृति में रहे

→ आपके साथ जो कुछ कुछ भी गलत हुआ

- **वो आपके ही किसी जन्म के पाप कर्म का फल था**

➳ _ ➳ हमारे आस पास की आत्माओं के स्वभाव संस्कार को समझो

→ फिर उनसे सम्बन्ध संपर्क में आना सरल हो जाएगा

➳ _ ➳ दुःख का बार बार चिंतन न करें

➳ _ ➳ कोई कुछ कह दे तो

→ यह दृष्टिकोण रखें

- **इस आत्मा के द्वारा बाबा मुझे कुछ सीखाना चाह रहा है**

➳ _ ➳ चिंतन करें की

→ मुझे अपने जीवन को कैसे सुखद बनाना है ?

➳ _ ➳ ड्रामा के ज्ञान को पक्का कीजिये

→ 24 घंटे में एक बार ड्रामा की सभी पॉइंट्स बुधी में घुमाइए

- शाम के समय या रात के समय
- मन शांत हो जाएगा ... स्थिर हो जाएगा

→ ड्रामा की भिन्न भिन्न पॉइंट्स

- ड्रामा कल्याणकारी है
- अकल्याण के परदे के पीछे कल्याण छिपा हुआ है
- नुक्सान के परदे के पीछे फायदा छिपा हुआ है
- ड्रामा में जो हो रहा है... वही होना चाहिए
- ड्रामा न्यायकारी है
- ड्रामा एक्यूरेट है
- ड्रामा अपरिवर्तनशील है
- **इस ड्रामा का नाम है :- खूने नाहक खेल है**
- ड्रामा की Shooting अब चल रही है
- ड्रामा सत्य है
- ड्रामा में विविधता (वैरायटी) है

- यह ड्रामा बाप को पसंद है तो तुम्हे भी पसंद आना चाहिए
- बाप को ड्रामा का हर एक्टर पसंद है तो तुम्हे भी हर एक्टर पसंद आना चाहिए
- ड्रामा हु ब हु रिपीट हो रहा है
- जो हो रहा है... वह कल्प पहले भी हुआ था
- नथिंग न्यू
- जो हुआ ... वह अच्छा हुआ... जो हो रहा है... वह उससे अच्छा ... जो होगा... वह उससे भी अच्छा होगा...
- हर आत्मा का अपना अपना पार्ट फिक्स्ड है... एक्यूरेट है
- हर आत्मा का अपना अपना भाग्य है
- हर आत्मा की अपना अपना प्रालब्ध है
- हर आत्मा की अपनी अपनी विशेषता है
- हर आत्मा का अपना अपना स्वभाव संस्कार है
- हर आत्मा की अपनी अपनी बुधी है
- हर आत्मा यूनिक है
- हर आत्मा विशेष है
- हर आत्मा मेरा भाई है
- हर ब्रह्मा आत्मा होवनहार देवता है
- हर ब्रह्मा आत्मा भगवान का चुना हुआ रतन है
- बनी बनाई बन रही
- **हर आत्मा सम्पूरण निर्दोष है**

➢➢ 7 प्रकार के पेपर

➳ _ ➳ लोकिक परिवार से

➳ _ ➳ आर्थिक समस्या

➳ _ ➳ साथियों से

➳ _ ➳ बड़ों से

➳ _ ➳ छोटों से

➳ _ ➳ शारीरिक बीमारी

➳ _ ➳ स्टूडेंट्स से

➳ _ ➳ अज्ञानियों से

➳ _ ➳ मधुबन से